2

लालची बनिया

प्रस्तुत पाठ के माध्यम से लेखक ने बताया है कि हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। लालच का फल सदा बुरा होता है।

एक नगर में एक गरीब ब्राह्मण रहता था। उसका नाम हरिदत्त था। उसके घर का खर्च दान-पुण्य में मिली वस्तुओं से चलता था।

एक बार देश में अकाल पड़ा। लोग भूखों मरने लगे। खेतों में फसल व हरियाली के दर्शन होने दुर्लभ हो गए। जानवर भी भूख से दम तोड़ने लगे।

इस अवस्था में भला ब्राह्मण को दान कौन दे, क्योंकि दान भी लोग तभी देते हैं जब उनके पास भरपूर धन होता है।

ब्राह्मण ने सोचा–'भूख से मरने से तो अच्छा है अपने प्राण दे दिए जाएँ।' वह जंगल की ओर चल दिया। वह मरने से पूर्व अपना हृदय ईश्वर के नाम से शुद्ध करने का प्रयत्न कर रहा था। वह रास्ते में ईश्वर का बार-बार स्मरण करता जा रहा था।

तभी उसने देखा कि सामने से एक शेर आ रहा है। ब्राह्मण ने सोचा–'मैं तो मरने जा ही रहा हूँ, चलो मरने से पूर्व किसी के काम आ जाऊँ। कितना अच्छा होगा यदि मैं एक भूखे जीव का भोजन बन जाऊँ।'

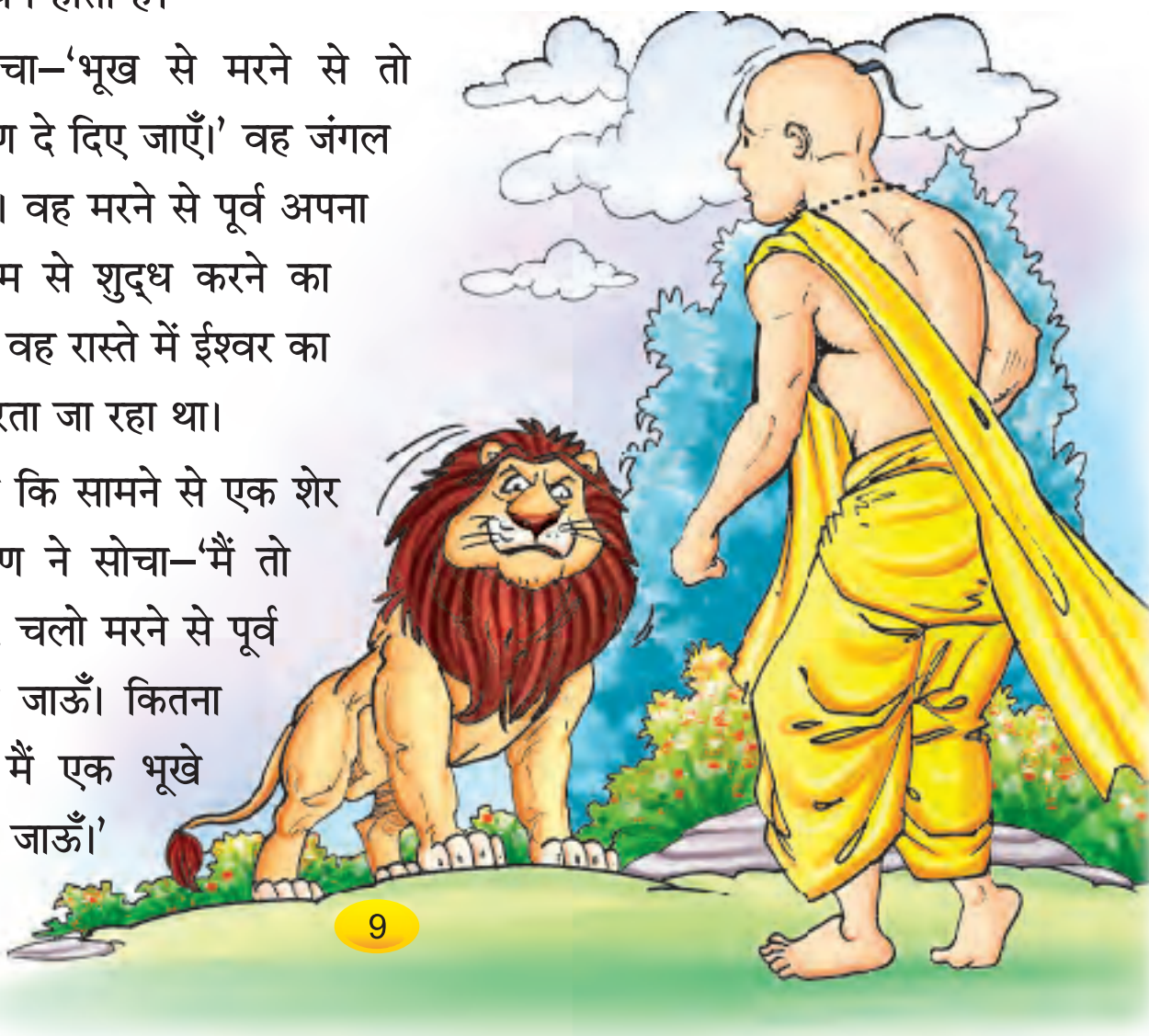

शेर ने पास आकर पूछा–"अरे ब्राह्मण! क्या तुम्हें मुझसे डर नहीं लगता?"

ब्राह्मण ने मुस्कराते हुए कहा–"मैं तो इस जंगल में मरने के लिए ही आया था। जब आप दिखाई दिए, तब मुझे लगा मरने से पहले किसी के काम आने का अवसर तो मिला।"

उसकी बात सुनकर शेर का रूप धारण किए वन-देवता अपने वास्तविक रूप में प्रकट हुए और उन्होंने ब्राह्मण को पुरस्कार के रूप में पाँच सौ अशर्फ़ियाँ दीं। पुरस्कार पाकर ब्राह्मण घर लौट आया।

सुबह-सुबह ब्राह्मण बनिए की दुकान पर राशन लेने गया। बनिए ने अशर्फ़ी देखकर ब्राह्मण से पूछा–"महाशय! आपको यह अशर्फ़ी कहाँ से मिली?"

ब्राह्मण ने सारी बात बनिए को बता दी और राशन लेकर घर वापस आ गया।

बनिया स्वभाव से लोभी था। वह लोभ में ईश्वर का नाम लेते-लेते जंगल की ओर चल दिया। बीच जंगल में उसे भी उसी प्रकार शेर मिला। बनिए ने तुरंत कहा–"शेर, तुम मुझे खाकर अपना पेट भर लो।"

शेर ने कहा–"मैं तुम्हें अवश्य खा जाता, परंतु तुमने कम-से-कम इसी बहाने ईश्वर का नाम लिया है। इसलिए मैं तुम्हें मारूँगा नहीं, केवल दंड दूँगा।"

शेर ने बनिए को एक चाँटा मारा जिससे उस लोभी बनिए के एक कान व एक आँख के चिथड़े-चिथड़े हो गए।

शिक्षा लालच बुरी बला है।

शिक्षण-संकेत

- लालच करने से होने वाली हानियों के विषय में उदाहरण सहित बताएँ।
- बच्चों को समझाएँ कि ईश्वर का स्मरण करने से काँटे भी फूल बन जाते हैं।

शब्द-पोटली

दुर्लभ	– मुश्किल से प्राप्त होने वाला	अवस्था	– दशा	पूर्व	– पहले
वास्तविक	– असली	लालच	– लोभ	दंड	– सज़ा

अभ्यास

संकलित मूल्यांकन

पाठ बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

(क) गरीब ब्राह्मण कहाँ रहता था?

(ख) लोग भूखे क्यों रहते थे?

(ग) वन देवता ने ब्राह्मण को कितनी अशर्फ़ियाँ दीं?

(घ) बनिया स्वभाव से कैसा था?

लिखित

(क) ब्राह्मण के घर का खर्च कैसे चलता था?

_____

(ख) शेर ने ब्राह्मण से आकर क्या पूछा?

_____

(ग) बनिए ने ब्राह्मण से क्या पूछा?

_____

(घ) शेर ने बनिए के साथ क्या किया?

_____

2. नीचे दिए गए शब्दों से रिक्त स्थान भरिए :

लोभी, अकाल, हरिदत्त, मरने, जंगल

(क) ब्राह्मण का नाम _____ था।

(ख) एक बार देश में _____ पड़ा।

(ग) वह _____ की ओर चल दिया।

(घ) मैं इस जंगल में _____ के लिए ही आया था।

(ङ) बनिया स्वभाव से _____ था

3. मिलान कीजिए :

गरीब	प्राण
भूख	बनिया
शेर	ब्राह्मण
लोभी	वन-देवता

4. सत्य कथन पर ✓ तथा असत्य पर ✗ लगाइए :

(क) ब्राह्मण गरीब था। ☐

(ख) एक बार देश में बाढ़ आ गई। ☐

(ग) वन-देवता शेर के रूप में प्रकट हुए। ☐

(घ) शेर ने बनिए को मार डाला। ☐

(ङ) लालच बुरी बला है। ☐

भाषा बोध

1. नीचे लिखे शब्दों से वाक्य बनाइए :

(क) दंड – _____

(ख) जंगल – _____

(ग) ईश्वर – _____

(घ) लोभी – _____

2. विलोम शब्द लिखिए :

गरीब × _____ पुण्य × _____ दुर्लभ × _____

शुद्ध × _____ मरना × _____ देवता × _____

3. वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

(क) एक नगर का गरीब ब्राह्मण रहती थी।

_____

(ख) लोग भूखे मरने लगा।

_____

(ग) पुरस्कार पाकर ब्राह्मण घर लौट गयी।

_____

(घ) बनिया स्वभाव पर लोभी थी।

_____

4. दिए गए शब्दों को शुद्ध करके लिखिए :

बाह्मण × _____ महसाय × _____ चांटा × _____

पुन्य × _____ पुरुस्कार × _____ लौभी × _____

5. दिए शब्दों को छाँटकर उचित कॉलम में लिखिए :

संज्ञा	सर्वनाम

ब्राह्मण, उनके, शेर, बनिया, वह, वन, मैं, तुम्हें, आँख, अपना

रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक अभ्यास

- निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए तथा लिखिए :

वस्तुओं	मुस्कराते	ब्राह्मण	अकाल

वर्ग पहेली

- दी गई वर्ग पहेली से जीव-जंतुओं के नाम छाँटकर लिखिए :

क	ल	शे	ट	स	ची
बं	द	र	न	य	ता
ऊ	द	बि	ला	व	फ
म	ग	र	म	च्छ	छ
छ	न	हा	थी	ल	ब
लि	म	ज्ञ	भे	ड़	य
याँ	त	ज	ड़ि	ट	भा
जि	रा	फ़	या	क्ष	लू

क्रियात्मक कार्य

- बिंदुओं को मिलाकर चित्र बनाओ और रंगीन पेंसिल से रंग भरिए :

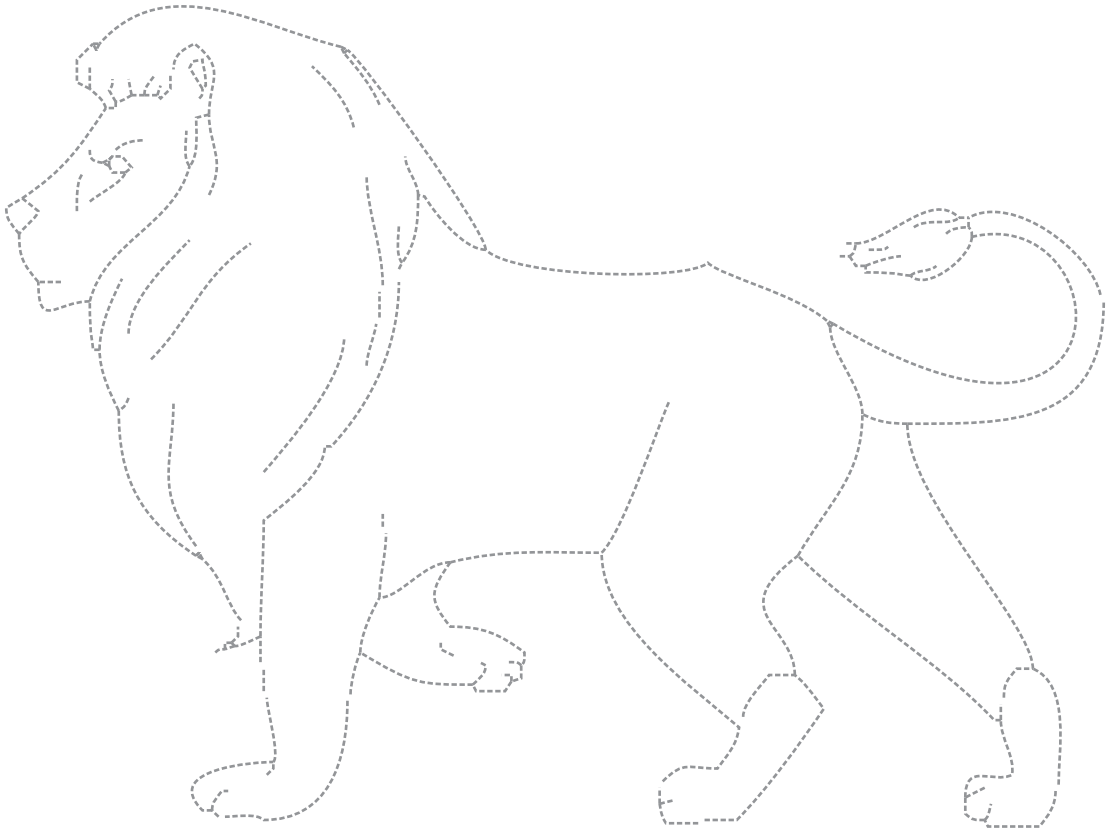

उच्च बौद्धिक स्तरीय प्रश्न (HOTS)

- राम का नाम लेने से क्या हो जाता है? सही विकल्प पर चिह्न लगाइए :

पाप कट जाते हैं	☐	शत्रु मित्र बन जाते हैं	☐
मित्र शत्रु बन जाते हैं	☐	बुरे दिन आ जाते हैं	☐

मूल्यपरक प्रश्न (VBQ)

- ब्राह्मण की जगह आप होते तो शेर के प्रश्न का क्या उत्तर देते?

जीवन कौशल (Life SKill)

- सुबह-सवेरे उठकर सबसे पहले भगवान के नाम का स्मरण करें, उसके बाद दैनिक कार्य किया करें।